



संक्षिप्त समाचार

पूर्व से निर्धारित प्रतिवादों की अंतिम सुनवाई दिनांक 31 अक्टूबर तक नहीं होगी

संवाददाता देहरादून। कोविड-19 के दृष्टिगत उत्तराखण्ड मानवाधिकार आयोग, देहरादून में पूर्व से निर्धारित प्रतिवादों की अंतिम सुनवाई दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 तक नहीं होगी। अतः वादकारियों को व्यक्तिगत रूप से आयोग कार्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। वादकारी अपना प्रतिउत्तर डाक/ई-मेल/फैक्स द्वारा भेज सकते हैं। यह जानकारी प्रशासनिक अधिकारी, उत्तराखण्ड मानवाधिकार आयोग हरीश चन्द्र पाण्डेय द्वारा दी गई। किसानों के लिए पास किये गये बिलों का सेवादल ने किया विरोध

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस सेवा दल ने शिविर कार्यालय टर्नर रोड पर एक बैठक का आयोजन किया जिसमें केंद्र सरकार के खिलाफ किसानों के लिए पास किये गये बिलों का विरोध किया गया। सेवादल के प्रदेश सचिव व महानगर प्रभारी पीयूष गौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार किसान विरोधी है, किसानों के हितों की अनदेखी करते यह विधेयक किसानों की जमीन के अधिकारों को खतरे में डालने वाला है। उन्होंने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार यह कानून बनाकर किसानों की कमर तोड़ने की साजिश रच रही है देश का किसान केंद्र सरकार की कृषि विधेयक से आशंकित है।

कोरोना सामाजिक संक्रमण रोकने के लिए व्यापारियों की भूमिका महत्वपूर्ण: भाजपा **संवाददाता** देहरादून। व्यापारिक संस्थानों में दो दिन लॉकडाउन की बहस के बीच भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ देवेन्द्र भसीन ने कहा कि कोरोना पर नियंत्रण व सामुदायिक संक्रमण रोकने के लिए सातों दिन सामाजिक सक्रियता जरूरी है और इसमें व्यापारियों का योगदान बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ देवेन्द्र भसीन ने कहा कि कोरोना वायरस कोविड 19 अभी सामुदायिक संक्रमण की स्थिति में नहीं है, लेकिन इसे रोकने व वर्तमान स्थिति पर नियंत्रण के लिए सामाजिक सक्रियता सबसे जरूरी है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने पकौड़े तलकर दर्ज किया विरोध **संवाददाता** देहरादून। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं द्वारा डीएवी महाविद्यालय देहरादून के बाहर प्रदेश सरकार रोजगार दो नहीं तो गद्दी छोड़ो के नारे के रोजगार की मांग की गई और रोजगार न मिलने पर पकौड़े तलकर अपना विरोध दर्ज किया। इस अवसर पर एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव विकास नेगी ने कहा है कि 2014 में केंद्र सरकार द्वारा आश्वासन दिया गया था कि हर वर्ष दो करोड़ युवाओं को रोजगार दिया जाएगा।

मुख्य सचिव ओम प्रकाश ने सभी जिलाधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की

होम आइसोलेशन का नियमानुसार पालन किया जाय: मुख्य सचिव

सुपरविजन के लिए वरिष्ठ अधिकारी को रखा जाय: सचिव स्वास्थ्य

बैठक

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव ओम प्रकाश ने सचिवालय में कोविड-19 पर प्रभावी नियंत्रण के लिए वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्य सचिव ने निर्देश दिये की होम आइसोलेशन का नियमानुसार पालन किया जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि होम आइसोलेशन किट सभी को शीघ्र मिल जाय।

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा होम आइसोलेट किये गये लोगों के घरों पर जाकर उनको सभी जानकारी एवं आवश्यक दवाई उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने कहा कि सोमवार से राज्य में आने वाले लोगों को बॉर्डर पर कुछ रियायते दी जायेंगी, जिससे आने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी। एक

■ होम आइसोलेट किये गये लोगों के घरों पर जाकर उनको सभी जानकारी एवं आवश्यक दवाई उपलब्ध कराई जाय



माह बाद त्योहारों का सीजन भी शुरू हो जायेगा, जिससे आवागमन में तेजी से वृद्धि होगी। सभी जिलाधिकारी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। पर्यटक स्थलों पर भी लोगों की संख्या बढ़ेगी। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाय। जिलाधिकारी पर्याप्त मैन पावर की व्यवस्था कर लें। अस्पतालों आकसीजन बैड, आईसीयू और वेंटिलेटर की पर्याप्त व्यवस्था हो। अगर किसी गम्भीर मरीज को रेफर करना हो तो, इसकी सूचना संबंधित अस्पताल को भी दी जाय, ताकि अस्पताल इसके लिए पहले से तैयार रहे। मुख्य सचिव ने कहा कि देहरादून में लोगों से शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ प्राइवेट लेब में टेस्ट कराने पर रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है, जबकि सरकारी अस्पताल में उसी

व्यक्ति की रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है। यह भी शिकायतें आ रही हैं कि देहरादून के प्राइवेट लेबों से लगभग 50 प्रतिशत लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। उन्होंने डीएम दून को निर्देश दिये कि जिन लोगों के प्राइवेट लेब में टेस्ट पॉजिटिव आये हैं, उनमें से कुछ लोगों की सरकारी अस्पतालों में टेस्टिंग की जाय। यदि किसी प्राइवेट लेब द्वारा गलत रिपोर्ट दी जा रही है, तो उन पर सख्त कारवाई की जाय। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि यदि कोई गर्भवती महिला कोविड पॉजिटिव आ रही है, तो उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाय। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ की संख्या को बढ़ाने के लिए नर्सिंग कॉलेज के फाइनल ईयर के बच्चों को हीयर किया जाय। एनएचएम के मानकों के हिसाब से उन्हें वेतन दिया जाय। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने वालों और मास्क का प्रयोग न करने वालों पर लगातार कारवाई की जाय। इस अवसर पर सचिव पंकज

सचिव स्वास्थ्य अमित नेगी ने कहा कि सभी जनपदों में कोविड कंट्रोल रूम में सुपरविजन के लिए वरिष्ठ अधिकारी को रखा जाय। 24 घण्टे कार्मिकों की ड्यूटी हो, लोगों की समस्याओं का शीघ्र निदान किया जाय। कोविड केयर सेंटर, होम आइसोलेशन एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए एम्बुलेंस की अलग-अलग व्यवस्था की जाय। कोविड केयर सेंटर में दिन में दो बार स्वास्थ्य परीक्षण जरूर करवाएं। सभी कोविड सेंट्रों में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था हो। टू-नॉट मशीन से संप्लिंग और बढ़ाई जाय। फ्रंट लाइन कोरोना वॉरियर्स को भी आईवर मेडिटन दवा दी जाय। सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनपदों में दवा की पर्याप्त उपलब्धता हो।

पाण्डेय, दून मेडिकल कॉलेज के डॉ आशुतोष सयाना, आईजी संजय गुंज्याल, अपर सचिव युगल किशोर पंत, श्रीमती सोनिका, डीजी स्वास्थ्य डॉ. अमिता उप्रेती, वीसी के माध्यम से सभी जिलाधिकारी, एसएसपी एवं सीएमओ उपस्थित थे।

कृषि बिल पर कांग्रेस अपने ही जाल में फँसी

आरोप

■ कुछ बोलते न पड़ा तो हरीश रावत ने मौन धारण कर लिया: भगत

देहरादून। संवाददाता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंशी धर भगत ने कृषि बिल पर कांग्रेस व कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस जो पहले खुद कृषि बिल के समर्थन में थी अब उसका विरोध कर अपने ही जाल में फँस गई है।

यहां जारी एक बयान में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंशी धर भगत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा

कांग्रेस के खाने के और दिखाने के दाँत हमेशा अलग

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंशी धर भगत ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस के खाने के और दिखाने के दाँत हमेशा अलग अलग रहे हैं। कांग्रेस कभी भी जनता से किए वायदे पूरे नहीं करती है। भगत ने पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस राष्ट्रीय महा सचिव हरीश रावत के मौन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब बोलने को कुछ नहीं होता तो मौन रहना मजबूरी बन जाती है।

द्वारा संसद में लाए गए कृषि बिल ऐतिहासिक हैं और इससे किसानों को बहुत फायदा मिलेगा। इससे उनकी आमदनी व उत्पादन दोनों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि साथ ही वे न्यूनतम समर्थन मूल्य और



बिचौलियों के मकड़ जाल से भी मुक्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसका लाभ उत्तराखंड के किसानों को भी मिलेगा व प्रदेश में कृषि के विकास में भी नई व्यवस्था फायदेमंद होगी। भगत ने कहा कि इन बिलों का विरोध कर

कांग्रेस के दोहरे चरित्र व धोखा देने आदत का फिर खुलासा हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में सरकार में आने पर ये बिल लाने का वायदा किया था और इसे अपने घोषणा पत्र में भी शामिल किया था, लेकिन अब जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ये बिल लाई है तो कांग्रेस इनका विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव हरीश रावत ने मौन रह कर बोलने से भी बचने व उसकी खबर भी बन जाने की सोच के साथ मौन का नाटक किया। उन्होंने कहा कि यह बात अलग है कि उनकी पार्टी के कई नेता मौन के समय मोबाईल फोनो पर बात करते हुए कैमरों में कैद हो गए हैं।

कांग्रेस व व्यापारियों ने फूँका दून उद्योग व्यापार मंडल का पुतला

संवाददाता देहरादून। दून उद्योग व्यापार मंडल की तानाशाही के खिलाफ महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं एवं व्यापारियों ने प्रदर्शन करते हुए दून उद्योग व्यापार मंडल का पुतला फूँका।

महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता डिस्पेंसरी रोड स्थित छोटी सब्जी मंडी में महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में इकट्ठा हुए और वहां पर दून उद्योग व्यापार मंडल की तानाशाही के विरोध में प्रदर्शन करते हुए पुतला फूँका और लालचन्द शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के उत्पीड़न को सहन नहीं किया जायेगा और जबरदस्ती व्यापारियों की दुकानें बंद कराया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसका लगातार विरोध किया जायेगा। उन्होंने कहा कि एक ओर व्यापारी वैसे ही कोरोना वायरस कोविड 19 के चलते लॉकडाउन से परेशान हैं और अब दून उद्योग व्यापार मंडल अनावश्यक रूप से बाजार को बंद कराने में आमादा है जिसका पुरजोर विरोध किया जायेगा।

In a Digital World Why To wait for a Howker

Visit Us at <http://app.page3news.co.in>

Supporting Devices

All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+



Scan This Code

Read News
Watch News Channel



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के. प्रिंटर्स, 74/9, आराधर, देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं०
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।